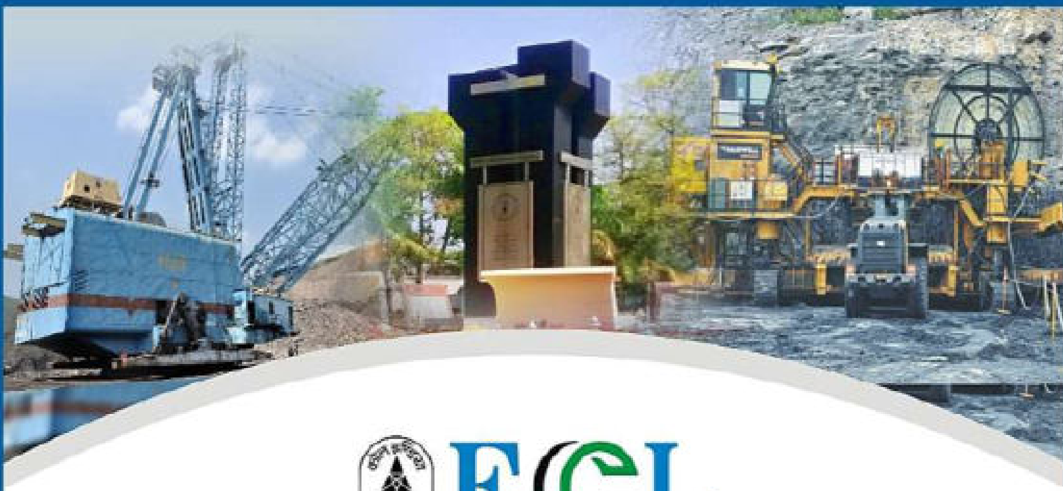

ECL

कोल इंडिया लिमिटेड (सी.आई.एल.)
और
ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ई.सी.एल.)
के 51वें स्थापना दिवस
के अवसर पर

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का संदेश

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो०– डिसरगढ़, जिला : पश्चिम बर्द्धमान

प्रिय साथियों,

आज, जब कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) अपने 51वें स्थापना दिवस का उत्सव मना रहा है, यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है, साथ ही आत्ममंथन का विषय है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि उन लाखों कोल कर्मियों के परिश्रम, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की गाथा है, जिन्होंने इस राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर ईसीएल परिवार के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिकों, उनके परिजनों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, हितधारकों एवं शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ।

गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में ईसीएल ने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए कुल 52.035 मि.टन कोयला उत्पादन, 187.167 मि. घनमीटर ओबरबर्डन रिमूवल (ओबीआर) तथा 49.76 मि.टन कोयला प्रेषण किया जो हमारी कर्तव्यनिष्ठा, आपसी समन्वयन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में, हम सभी अपने संवर्धित लक्ष्य यथा 59 मि.टन कोयला उत्पादन, 158 मि. घनमीटर ओबीआर एवं 60 मि. टन कोयला प्रेषण को प्राप्त करने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ उद्योगरत है जिसमें खान सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

ईसीएल के कार्यबल एवं प्रबंधन के संयुक्त एवं सतत प्रयासों से कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में ₹1641.16 करोड़ का सर्वाधिक पूंजीगत व्यय (CAPEX) किया, जो निर्धारित वार्षिक लक्ष्य ₹1250 करोड़ से कहीं अधिक है – यह ईसीएल के इतिहास का सर्वोच्च निवेश स्तर है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025–26 की प्रथम छमाही में ₹617.66 करोड़ का CAPEX हुआ है, जो अर्धवार्षिक लक्ष्य ₹613.00 करोड़ से अधिक और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब 12% की वृद्धि है। इस वित्तीय सुदृढ़ता के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2024–25 में ईसीएल ने 52.03 मिलियन टन का अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.39% अधिक है।

आगे, रणनीतिक परियोजनाओं के क्षेत्र में भी कंपनी ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 08 परियोजनाओं के लिए एमडीओ मोड में प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार किए गए, जबकि 10 बंद भूमिगत खानों के लिए एमडीओ दस्तावेज (RFB/MCA) अंतिम रूप से तैयार कर अनुमोदन प्राप्त किया गया। इसके परिणामस्वरूप 5 परियोजनाएँ एमडीओ मोड में और 10 परियोजनाएँ राजस्व–साझा मॉडल के अंतर्गत आवंटित की गईं – जो सीआईएल की सभी अनुषंगी कंपनियों में सर्वाधिक है। इनमें से 03 एमडीओ परियोजनाओं और 01 राजस्व–साझा आधारित परियोजना से उत्पादन

आरंभ हो चुका है।

साथ ही, भारत सरकार की बहुलक्षित "आत्मनिर्भर भारत" और "मेक इन इंडिया" के अनुरूप कंपनी ने अपने सामग्री प्रबंधन (Material Management) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिसके तहत सभी ₹200 करोड़ तक की निविदाएँ अब केवल भारतीय निर्माताओं और एमएसएमई इकाइयों से की जा रही हैं, जिससे स्वदेशी निर्माण को सशक्त प्रोत्साहन मिला है। स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मल्टी यूटिलिटी व्हीकल (MUV) और फ्री–स्टियर्ड व्हीकल (FSV) जैसे पूर्व में आयातित उपकरणों के लिए अब घरेलू निर्माताओं को परीक्षण आदेश दिए गए हैं। कॉन्टिन्युअस माइनर मशीन के लिए निविदा भी अंतिम चरण में है जिसमें भारतीय कंपनियों ने भाग लिया है। रूसी निर्मित IZ-Kartex शॉवेल्स के स्पेयर पार्ट्स के निर्माण कार्य अब स्वदेशी उद्योगों को सौंपे गए हैं, जिससे न केवल लागत में बचत होगी बल्कि स्थानीय विनिर्माण पारिस्थितिकी को भी बढ़ावा मिलेगा।

संविदा प्रबंधन (Contract Management) के क्षेत्र में कंपनी ने वर्ष 2024–25 में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए ₹77,863.61 करोड़ मूल्य के खनन सेवा अनुबंध सफलतापूर्वक प्रदान किए, जो वर्ष के ₹6,510 करोड़ के लक्ष्य की तुलना में 1096: अधिक हैं। सभी निविदाएँ ळमड पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की गईं, जिससे पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हुई। विभाग द्वारा 16 सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (MSEs) को ₹408.96 करोड़ के अनुबंध दिए गए, जिससे "मेक इन इंडिया" नीति को सशक्त समर्थन मिला। कंपनी ने नई खनन तकनीकों जैसे लांगवॉल, कंटीन्युअस माइनर, रोड हेडर ड्राइवेज, रिपर, सीएनजी/एलएनजी/ईवी संचालित मशीनें, तथा ओबी प्रोसेसिंग टू सैंड जैसी उन्नत तकनीकों के लिए अनुबंध दरें निर्धारित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की है।

निगमित सामाजिक दायित्व (CSR) के क्षेत्र में भी ईसीएल ने समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, ईसीएल अपने परिचालन क्षेत्रों में समुदायों को सशक्त बनाने और आजीविका संवर्धन की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान, कंपनी ने युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास के लिए कई कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें रोजगारोन्मुख और आत्मनिर्भर बनाना है। आसनसोल शहर के धधका क्षेत्र में ₹2.83 करोड़ की लागत से "मल्टी–स्किलिंग डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट" स्थापित किया गया है, जहाँ 900 युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, सांकतोड़िया, मुगमा, काजोड़ा और सोनपुर बाजारी क्षेत्रों में 580 से अधिक युवाओं और महिलाओं को जनरल ड्यूटी असिस्टेंस, ब्यूटी थेरेपी, हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज, तथा कंप्यूटर, प्लंबिंग और एसी मेंटेनेंस जैसे तकनीकी कौशलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, ईसीएल ने गोड्डा

(झारखण्ड) में 300–बेडेड आधुनिक अस्पताल के निर्माण की परियोजना आरंभ की है। इस परियोजना में ₹307.44 करोड़ का वित्तीय निवेश होगा, और इसका निर्माण कार्य जनवरी 2027 तक पूर्ण होने की अपेक्षा है। यह अस्पताल न केवल कोल कर्मियों और उनके परिवारों के लिए, बल्कि आसपास के जनसमुदाय के लिए भी एक अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेगा। कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए भी ईसीएल ने नई पहलों का शुभारंभ किया हैं। इसी क्रम में, कर्मचारियों के बच्चों के लिए "10 दिवसीय समर कैम्प कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इस शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु मनोरंजन, रचनात्मकता, सीखने और सामाजिक सहभागिता पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई। ईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में भी ऐसे समर कैम्प कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहाँ बच्चों के लिए अनेक शिक्षाप्रद और मनोरंजक गतिविधियाँ सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

ईसीएल अपनी सुरक्षा गुणवत्ता में साहसिक और दूरदर्शी अध्याय, डिजिटल सर्विलांस को जोड़ते हुए एक एकीकृत और तार्किक निगरानी प्रणाली के नए युग में प्रवेश कर रही है। कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित सभी CCTV प्रणालियों को एक केंद्रीकृत डिजिटल नियंत्रण केंद्र – "इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC)" से जोड़ा जा रहा है। इस पहल से रीयल–टाइम मॉनिटरिंग, तार्किक विश्लेषण और स्वचालित अलर्ट की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे किसी भी स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही, सभी महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थलों पर CCTV कवरेज का विस्तार किया जा रहा है ताकि हमारे परिचालन तंत्र का कोई भी भाग स्मार्ट निगरानी के दायरे से बाहर न रहे। प्रवेश और निकास बिंदुओं पर एक्सेस कंट्रोल सिस्टम तथा ट्रक सेंट्रिंग सिस्टम का कार्यान्वयन सुरक्षा, परिचालन अनुशासन और स्वचालन को सुदृढ़ करेगा। ये सभी पहलें हमारी सामूहिक दृष्टि का प्रतीक हैं जिसके माध्यम से हम एक सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त ईसीएल का निर्माण कर रहे हैं।

कौशल विकास के क्षेत्र में भी ईसीएल ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एचआरडी केंद्र में डम्पर और शॉवेल ऑपरेटरों के प्रशिक्षण हेतु एक आधुनिक यूनिवर्सल सिम्युलेटर स्थापित किया गया है, जो डीजीएमएस के सुरक्षा मानकों के अनुरूप है।

ईसीएल तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित और उसे सतत विकसित करने में विश्वास रखती है जिसके तहत कंपनी ने भारत का पहला भूमिगत कोयला गैसीकरण पायलट परियोजना (Underground Coal Gasification Pilot Project) नामशः कास्ता वेस्ट कोल ब्लॉक में प्रथम चरण की गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। यह एक ऐतिहासिक परियोजना है जिसे कनाडा की Ergo Energy Technologies Inc. (EETI) और सीएमपीडीआई, राँची के सहयोग

से संपन्न किया गया। परियोजना के उत्साहजनक परिणामों के बाद द्वितीय चरण का कार्य निर्धारित समयसीमा अर्थात सितंबर 2026 तक पूर्ण हो जाएगी।

सतत खनन और जिम्मेदारीपूर्ण पर्यावरणीय प्रबंधन की दिशा में, ईसीएल ने भारत में पहली बार त्रिपक्षीय एस्क्रो एग्रीमेंट निष्पादित किया है, जो खनन योजना एवं खान बंदी योजना के संशोधित दिशा–निर्देशों के अनुरूप एक ऐतिहासिक कदम है। वर्तमान में 56 संशोधित खान संवरण योजना (डपदम ब्सवेनतम च्संद) प्रक्रिया में हैं, और वित्तीय वर्ष 2025–26 में ₹174 करोड़ की राशि विभिन्न एस्क्रो खातों में समय पर जमा की गई है। यह हमारी पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और न्यायोचित परिवर्तन (Just Transition) के सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ईसीएल की परिसंपत्तियाँ राष्ट्र की धरोहर हैं। इसके समग्र उत्तरजीविता और सर्वोत्तम उपयोगिता के लिए कंपनी ने 15 बंद खानों को निजी भागीदारों के साथ राजस्व–साझा मॉडल पर प्रारंभ करने का अभिनव पहल किया है। यह पहल न केवल अतिरिक्त कोयला उत्पादन और राजस्व सृजन का मार्ग प्रशस्त करती है, बल्कि पर्यावरणीय प्रभावों को कम करते हुए स्थानीय समुदायों में रोजगार के अवसर भी प्रदान करती है। यह मॉडल भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और विकसित भारत के विजन के अनुरूप एक सतत विकास का उदाहरण है।

वहीं, वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता के क्षेत्र में भी ईसीएल ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2024–25 में, सभी वित्तीय विवरणियों को समयसीमा के भीतर प्रस्तुत किया गया। फलस्वरूप, ईसीएल को कोल इंडिया लिमिटेड की सभी सहायक कंपनियों में वार्षिक खातों की प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान और अर्धवार्षिक खातों की प्रस्तुति के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) ने वर्ष 2024–25 के लिए ईसीएल के लेखापरीक्षित (ऑडिटेड) वित्तीय विवरणियों पर कोई टिप्पणी नहीं की, जो कंपनी की वित्तीय सुदृढ़ता का प्रमाण है। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने जीएसटी दिवस समारोह (1 जुलाई 2025) में ईसीएल को Certificate of Commendation प्रदान किया, जो कर अनुपालन के प्रति हमारी कर्तव्यनिष्ठा की सराहना है। साथ ही, ₹970.01 करोड़ की दीर्घकालिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क देनदारियों के मामलों को न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) द्वारा निरस्त किए जाने से कंपनी की आकस्मिक देनदारियों में उल्लेखनीय कमी आई है।

ईसीएल के खान सुरक्षा एवं बचाव दलों ने वर्ष 2025 में कई महत्वपूर्ण बचाव अभियानों को सफलतापूर्वक संपन्न किया। खास काजोड़ा कोलियरी में लगी भीषण आग को नियंत्रित किया गया और मानव जीवन व संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। 154 कर्मचारियों को प्राथमिक चिकित्सा एवं 96 कर्मचारियों को प्रारंभिक बचाव प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विशेष उल्लेखनीय यह रहा कि ईसीएल ने 08 महिला कर्मियों की पहली बचाव टीम का गठन किया, जिसने हमारे

संगठन में समानता और साहस का नया अध्याय जोड़ा है। असम के दीमा हसाओ जिले में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान ईसीएल के बचाव कर्मियों ने भारतीय सेना एवं एनडीआरएफ के साथ मिलकर राहत एवं पुनःस्थापन कार्यों में सराहनीय भूमिका निभाई।

पर्यावरण संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में ईसीएल ने 48.732 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें रूफ–टॉप, ग्राउंड माउंटेड और फ्लोटिंग सोलर संयंत्र सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, प्रसंस्कृत ओवरबर्डन संयंत्रों एवं वृक्षारोपण कार्यक्रमों के माध्यम से हरित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं।

ईसीएल के इतिहास में एक नया अध्याय उस समय जुड़ने जा रहा है जब कंपनी पहली बार सीआईएल की सहायक इकाई के रूप में "UMMEED 2025 – International Conference and Exhibition on Underground Mechanisation and Automation" का आयोजन 19 से 20 दिसंबर 2025 को करने जा रही है। यह सम्मेलन भूमिगत खनन में आधुनिकीकरण और स्वचालन की दिशा में भारत की भूमिका को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करेगा।

प्रिय साथियों, कोयला उद्योग भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की रीढ़ है। ईसीएल इस राष्ट्रीय दायित्व को निष्ठा, ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ निभा रही है। हम सभी का यह संकल्प है कि "हर कोल कर्मी, हर कार्य में राष्ट्रहित" की भावना के साथ अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे। आपकी सत्यनिष्ठा, समर्पण और संकल्प ही "विकसित भारत 2047" के ऊर्जा भविष्य की सच्ची आधारशिला हैं।

इस अवसर पर मैं कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, पश्चिम बंगाल एवं झारखण्ड राज्य सरकारों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, सीआईएसएफ, श्रमिक संगठनों, शताक्षी महिला मण्डल, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं और सभी हितधारकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। आपकी सहभागिता और विश्वास ही ईसीएल की सफलता की प्रेरक शक्ति है।

जय हिन्द!

कर्तव्यनिष्ठ,

01.11.2025

(सतीश झा)

अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित

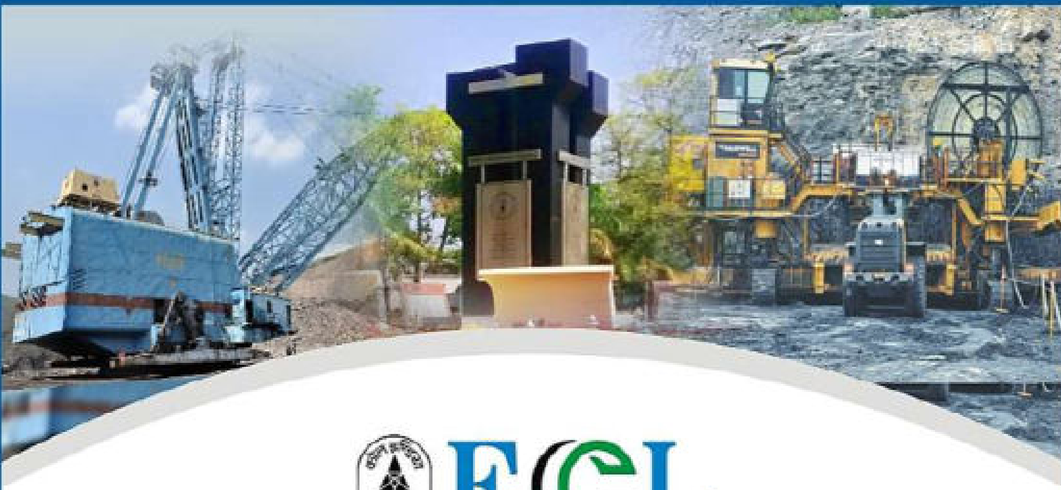

ECL

কোল ইন্ডিয়া লিমিটেড (সি.আই.এল.)
ও
ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড (ই.সি.এল.)–এর ৫১তম প্রতিষ্ঠা দিবস উদযাপন উপলক্ষ্যে

অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তার বার্তা

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড

সাঁকতোড়িয়া, পোস্ট ঃ ডিসেরগড়, জেলা ঃ পশ্চিম বর্ধমান

প্রিয় সহকর্মীবৃন্দ,

আজ, কোল ইন্ডিয়া লিমিটেড তার ৫১তম প্রতিষ্ঠা দিবস উদযাপন করছে, এটি আমাদের সকলের জন্য গর্ব ও আত্মবিশ্লেষণের এক মহৎ মুহূর্ত। এটি শুধুমাত্র একটি তারিখ নয়;বরং এটি লক্ষ লক্ষ কোল কর্মীর পরিশ্রম, নিষ্ঠা ও কর্তব্যপরায়ণতার এক গৌরবগাথা, যারা এই দেশের জ্বালানি নিরাপত্তা নিশ্চিত করেছেন। এই পবিত্র উপলক্ষ্যে আমি ইস্টার্ন কোলফিল্ডস লিমিটেড পরিবারের সকল কর্মকর্তা, কর্মচারী, শ্রমিক, তাঁদের পরিবারবর্গ, ভোক্তা, সরবরাহকারী, অংশীদার ও শুভানুধ্যায়ীদের আন্তরিক শুভেচ্ছা ও অভিনন্দন জানাই।

গত আর্থিক বর্ষ ২০২৪-২৫-এ ইসিএল নির্ধারিত লক্ষ্যমাত্রা অর্জন করে মোট ৫২.০৩৫ মিলিয়ন টন কয়লা উৎপাদন, ১৮৭.১৬৭ মিলিয়ন ঘনমিটার ওভারবার্ডেন রিমুভাল (ওবিআর) এবং ৪৯.৭৬ মিলিয়ন টন কয়লা প্রেরণ সম্পন্ন করেছে, যা আমাদের কর্তব্যনিষ্ঠা, পারস্পরিক সমন্বয় এবং জাতীয় অঙ্গীকারের প্রতিফলন। বর্তমান আর্থিক বর্ষে আমরা সকলেই পূর্ণ নিষ্ঠা ও আন্তরিকতার সঙ্গে আমাদের বর্ধিত লক্ষ্যমাত্রা — ৫৯ মিলিয়ন টন কয়লা উৎপাদন, ১৫৮ মিলিয়ন ঘনমিটার ওবিআর এবং ৬০ মিলিয়ন টন কয়লা প্রেরণ — অর্জনের লক্ষ্যে কর্মরত আছি, যেখানে খনি নিরাপত্তা আমাদের সর্বোচ্চ অগ্রাধিকার হিসেবে বজায় থাকবে।

ইসিএল-এর শ্রমবল ও ব্যবস্থাপনার সম্মিলিত প্রচেষ্টায় **২০২৪,২৫ অর্থবছরে ₹১৬৪১.১৬ কোটি টাকার সর্বোচ্চ মূলধনী ব্যয় (CAPEX)** সম্পন্ন হয়েছে, যা বার্ষিক লক্ষ্য ₹১২৫০ কোটি টাকার থেকেও অনেক বেশি ; এটি ইসিএল-এর ইতিহাসে সর্বোচ্চ বিনিয়োগের রেকর্ড। বর্তমান অর্থবছর **২০২৫-২৬-এর প্রথমার্ধে ₹৬১৭.৬৬ কোটি টাকার CAPEX** হয়েছে, যা অর্ধবার্ষিক লক্ষ্য ₹৬১৩ কোটি টাকার চেয়েও বেশি এবং গত বছরের তুলনায় প্রায় **১২%** বৃদ্ধি নির্দেশ করে। এই আর্থিক দৃঢ়তার ফলস্বরূপ, **ইসিএল ২০২৪-২৫ সালে ৫২.০৩ মিলিয়ন টনের সর্বোচ্চ কয়লা উৎপাদন** করেছে, যা পূর্ববর্তী বছরের তুলনায় **৯.৩৯% বেশি।**

কৌশলগত প্রকল্পের ক্ষেত্রেও কোম্পানি গুরুত্বপূর্ণ অগ্রগতি করেছে। **৮টি প্রকল্পের জন্য MDO মোডে প্রজেক্ট রিপোর্ট** প্রস্তুত হয়েছে এবং **১০টি বন্ধ আন্ডারগ্রাউন্ড খনির জন্য** প্রয়োজনীয় নথি অনুমোদিত হয়েছে। এর ফলে **৫টি প্রকল্প MDO মোডে**

এবং **১০টি প্রকল্প রাজস্ব ভাগাভাগি মডেলে** বরাদ্দ হয়েছে ; যা **সমস্ত সিআইএল সহযোগী সংস্থার মধ্যে সর্বাধিক।** ইতিমধ্যে ৩টি MDO প্রকল্প ও ১টি রাজস্ব ভাগাভাগি প্রকল্পে উৎপাদন শুরু হয়েছে।

"আত্মনির্ভর ভারত" ও **"মেক ইন ইন্ডিয়া"** উদ্যোগের লক্ষ্যে ইসিএল তার **উপাদান ব্যবস্থাপনা (Material Management)** ক্ষেত্রে গুরুত্বপূর্ণ পদক্ষেপ নিয়েছে। এখন ₹২০০ কোটি টাকার মধ্যে সব টেন্ডার কেবলমাত্র ভারতীয় প্রস্তুতকারক ও MSME ইউনিটগুলির মাধ্যমে আহ্বান করা হচ্ছে, ফলে দেশীয় উৎপাদনকে বিশেষ উৎসাহ দেওয়া হয়েছে। এর পাশাপাশি **MUV ও FSV**-এর মতো পূর্বে আমদানিনির্ভর যন্ত্রপাতির জন্য এখন দেশীয় নির্মাতাদের ট্রায়াল অর্ডার দেওয়া হয়েছে। Continuous Miner Machine-এর জন্য টেন্ডারও চূড়ান্ত পর্যায়ে রয়েছে। **রুশ নির্মিত IZ-Kartex শোভেলস-এর খুচরা যন্ত্রাংশের উৎপাদন** এখন দেশীয় শিল্পকে দেওয়া হয়েছে, যা ব্যয় সাশ্রয়ের পাশাপাশি দেশীয় শিল্পকে উৎসাহ দেবে।

চুক্তি ব্যবস্থাপনা (Contract Management) ক্ষেত্রে, ২০২৪-২৫ সালে **₹৭৭,৮৬৩.৬১ কোটি টাকার খনন সেবা চুক্তি** সফলভাবে সম্পাদিত হয়েছে, যা বার্ষিক লক্ষ্য ₹৬,৫১০ কোটি টাকার তুলনায় **১০৯৬% বেশি।** সব টেন্ডার **GEM পোর্টাল**-এর মাধ্যমে আহ্বান করা হয়েছে, যাতে সম্পূর্ণ স্বচ্ছতা নিশ্চিত হয়। **১৬টি MSE প্রতিষ্ঠানকে ₹৪০৮.৯৬ কোটি টাকার চুক্তি** দেওয়া হয়েছে, যা "মেক ইন ইন্ডিয়া" নীতিকে আরও দৃঢ় করেছে।

কোম্পানি লংওয়াল, কন্টিনিউয়াস মাইনার, রোড হেডার ড্রাইভেজ, রিপার, সিএনজি / এলএনজি / ইভি চালিত যন্ত্রপাতি এবং ওবি প্রোসেসিং টু স্যান্ড-এর মতো আধুনিক ও উন্নত খনন প্রযুক্তির জন্য চুক্তি হার নির্ধারণের প্রক্রিয়াও আরম্ভ করেছে।

কর্পোরেট সামাজিক দায়িত্ব (CSR) ক্ষেত্রেও ইসিএল সমাজের উন্নয়নে অবিরাম কাজ করছে। **২০২৫-২৬ অর্থবছরে** যুব ও মহিলাদের **দক্ষতা উন্নয়ন**-এর জন্য বিভিন্ন কর্মসূচি শুরু হয়েছে। ধদকা, আসানসোলে ₹২.৮৩ কোটি ব্যয়ে একটি **"মাল্টি-স্কিলিং ডেভেলপমেন্ট ইনস্টিটিউট"** প্রতিষ্ঠা করা হয়েছে, যেখানে ৯০০ যুবক-যুবতীকে পেশাগত প্রশিক্ষণ প্রদান করা হচ্ছে। আরও ৫৮০ জনের বেশি যুব ও মহিলাকে

বিভিন্ন প্রযুক্তিগত দক্ষতা যেমন; সৌন্দর্যচর্চা, হসপিটালিটি, কম্পিউটার, প্লাম্বিং ও এসি মেইনটেন্যান্সে প্রশিক্ষণ দেওয়া হচ্ছে।

স্বাস্থ্যসেবার উন্নয়ন-এর জন্য গোড্ডা (ঝাড়খণ্ড)-এ **৩০০ বেডের আধুনিক হাসপাতাল নির্মাণ প্রকল্প** শুরু হয়েছে, যার বিনিয়োগ প্রায় ₹৩০৭.৪৪ কোটি টাকা। এই হাসপাতালটি ২০২৭ সালের জানুয়ারির মধ্যে সম্পূর্ণ হবে বলে আশা করা হচ্ছে। এটি শুধুমাত্র কোল কর্মীদের জন্য নয়, বরং আশপাশের সাধারণ মানুষের জন্যও উন্নত চিকিৎসা সেবা প্রদান করবে।

কর্মচারীদের শিশুদের জন্য **"১০ দিনের সামার ক্যাম্প"** ২৮ মে থেকে ৭ জুন ২০২৫ পর্যন্ত অনুষ্ঠিত হয়েছিল, যেখানে বিনোদন, সৃজনশীলতা, শিক্ষা ও সামাজিক মেলামেশা,সংক্রান্ত নানা কার্যক্রমের আয়োজন করা হয়। বিভিন্ন এলাকায়ও এই ধরনের ক্যাম্প সফলভাবে সম্পন্ন হয়েছে।

নিরাপত্তা ক্ষেত্রে, ইসিএল এখন ডিজিটাল পর্যবেক্ষণ ব্যবস্থার মাধ্যমে একটি **সমন্বিত কমান্ড ও কন্ট্রোল সেন্টার (ICCC)** গড়ে তুলছে, যাতে CCTV নেটওয়ার্কের মাধ্যমে রিয়েল-টাইম নজরদারি ও স্বয়ংক্রিয় সতর্কবার্তা প্রদান সম্ভব হবে। এর সঙ্গে অ্যাক্সেস কন্ট্রোল ও ট্রাক সেন্ট্রিং সিস্টেম নিরাপত্তা ও কার্যনিষ্ঠাকে আরও মজবুত করবে।

একই সঙ্গে, সমস্ত গুরুত্বপূর্ণ ও সংবেদনশীল স্থানে সিসিটিভি নজরদারির পরিসর সম্প্রসারিত করা হচ্ছে, যাতে আমাদের কার্যনির্বাহী ব্যবস্থার কোনো অংশই স্মার্ট মনিটরিংয়ের আওতার বাইরে না থাকে। প্রবেশ ও প্রস্থান বিন্দুগুলিতে অ্যাক্সেস কন্ট্রোল সিস্টেম এবং ট্রাক সেন্টারিং সিস্টেমের বাস্তবায়ন নিরাপত্তা, কার্যনির্বাহী শৃঙ্খলা এবং স্বয়ংক্রিয়ীকরণকে আরও সুদৃঢ় করবে। এই সমস্ত উদ্যোগ আমাদের যৌথ দৃষ্টিভঙ্গির প্রতিফলন, যার মাধ্যমে আমরা একটি নিরাপদ, স্বচ্ছ ও প্রযুক্তিগতভাবে শক্তিশালী ইসিএল গঠনের পথে অগ্রসর হচ্ছি। দক্ষতা উন্নয়নের ক্ষেত্রেও ইসিএল উল্লেখযোগ্য অগ্রগতি সাধন করেছে। এইচআরডি কেন্দ্রে ডাম্পার ও শ্যাভেল অপারেটরদের প্রশিক্ষণের জন্য একটি আধুনিক ইউনিভার্সাল সিমুলেটর স্থাপন করা হয়েছে, যা ডি.জি.এম.এস.-এর নিরাপত্তা মানদণ্ডের সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ।

প্রযুক্তিগত উদ্ভাবনের ধারায়, ইসিএল ভারতে প্রথমবারের মতো **আন্ডারগ্রাউন্ড কোল গ্যাসিফিকেশন পাইলট প্রকল্প** সফলভাবে সম্পন্ন করেছে, যা **কানাডার Ergo**

Exergy Technologies Inc. (EETI) ও CMPDI, রাঁচি-এর সহযোগিতায় সম্পন্ন হয়েছে। প্রথম পর্যায় সফলভাবে শেষ হয়েছে এবং দ্বিতীয় পর্যায় সেপ্টেম্বর ২০২৬-এর মধ্যে সম্পন্ন হবে।

পরিবেশবান্ধব খনন ও টেকসই ব্যবস্থাপনার লক্ষ্যে ইসিএল ভারতে প্রথমবার **ত্রিপাক্ষিক এসক্রো অ্যাগ্রিমেন্ট** স্বাক্ষর করেছে। বর্তমানে **৫৬টি সংশোধিত মাইন ক্লোজার প্ল্যান** প্রক্রিয়াধীন রয়েছে এবং **₹১৭৪ কোটি টাকা এসক্রো অ্যাকাউন্টে জমা** করা হয়েছে। এটি আমাদের স্বচ্ছতা ও আর্থিক শৃঙ্খলার প্রতিফলন।

ইসিএল-এর ১৫টি বন্ধ খনি **রাজস্ব ভাগাভাগি মডেলে পুনরায় চালু** করার উদ্যোগ নিয়েছে, যা নতুন কর্মসংস্থান, অতিরিক্ত কয়লা উৎপাদন ও রাজস্ব বৃদ্ধির পাশাপাশি পরিবেশগত প্রভাবও কমাবে।

আর্থিক শৃঙ্খলা ও স্বচ্ছতা ক্ষেত্রেও ইসিএল গুরুত্বপূর্ণ সাফল্য অর্জন করেছে। ২০২৪,২৫ সালে সমস্ত আর্থিক প্রতিবেদন নির্ধারিত সময়ে দাখিল করা হয়েছে। এর ফলে ইসিএল "বার্ষিক হিসাব" দাখিলের জন্য প্রথম ও "অর্ধবার্ষিক হিসাব" দাখিলের জন্য দ্বিতীয় স্থান অর্জন করেছে। **CAG** কর্তৃপক্ষ ২০২৪-২৫ অর্থবছরের নিরীক্ষিত প্রতিবেদনে কোনো মন্তব্য করেনি – যা আর্থিক সঠিকতার প্রমাণ। **CBIC** কর্তৃক **GST দিবস (১ জুলাই ২০২৫)**-এ ইসিএলকে **Certificate of Commendation** প্রদান করা হয়েছে। এছাড়াও, **₹৯৭০.০১ কোটি টাকার দীর্ঘমেয়াদি কর-মামলা বাতিল** হওয়ায় কোম্পানির সম্ভাব্য দায় কমেছে।

খনি নিরাপত্তা ও উদ্ধার দলের অবদানও প্রশংসনীয়। **খাস কজোড়া কোলিয়ারিতে অগ্নিকাণ্ড নিয়ন্ত্রণে** এনে জীবন ও সম্পত্তির সুরক্ষা নিশ্চিত করা হয়েছে। ১৫৪ জনকে প্রাথমিক চিকিৎসা ও ৯৬ জনকে উদ্ধার প্রশিক্ষণ দেওয়া হয়েছে। বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য, ইসিএল ৮ জন মহিলা সদস্য নিয়ে **প্রথম মহিলা উদ্ধার দল** গঠন করেছে। এছাড়া **আসামের দিমা হাসাও জেলায় প্রাকৃতিক বিপর্যয়কালে**, ইসিএল কর্মীরা সেনা ও NDRF-এর সঙ্গে যৌথভাবে ত্রাণ ও পুনর্বাসন কার্যক্রমে গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রেখেছে।

পরিবেশ সংরক্ষণ ও নবায়নযোগ্য শক্তি ক্ষেত্রে ইসিএল **৪৮.৭৩২ মেগাওয়াট সৌরশক্তি উৎপাদনের লক্ষ্য** নির্ধারণ করেছে, যার মধ্যে রুফ-টপ, গ্রাউন্ড-মাউন্টেড ও ফ্লোটিং সোলার প্ল্যান্ট অন্তর্ভুক্ত। পাশাপাশি ওভারবার্ডেন প্রক্রিয়াজাতকরণ ও

বৃক্ষরোপণ কার্য্যক্রমের মাধ্যমে "সবুজ ভারত" লক্ষ্যে অবিচলভাবে অগ্রসর হচ্ছে।

ইসিএল-এর ইতিহাসে নতুন অধ্যায় রচিত হতে চলেছে, যখন কোম্পানি প্রথমবারের মতো "**UMMEED 2025 – International Conference and Exhibition on Underground Mechanisation and Automation**" আয়োজন করতে যাচ্ছে **১৯-২০ ডিসেম্বর ২০২৫**-এ। এই আন্তর্জাতিক সম্মেলন ভারতের আন্ডারগ্রাউন্ড খনন প্রযুক্তির আধুনিকীকরণে একটি গুরুত্বপূর্ণ মাইলফলক স্থাপন করবে।

প্রিয় সহকর্মীবৃন্দ,

কয়লা শিল্প ভারতের জ্বালানি আত্মনির্ভরতার মেরুদণ্ড। ইসিএল এই জাতীয় দায়িত্ব নিষ্ঠা, সততা ও দুরদর্শিতার সঙ্গে পালন করছে। আমাদের অঙ্গীকার হোক – "**প্রতিটি কোল কর্মী, প্রতিটি কাজে জাতির জন্য**"। আপনাদের সততা, পরিশ্রম ও সংকল্পই "**বিকশিত ভারত ২০৪৭**", এর শক্তিশালী জ্বালানি ভবিষ্যতের ভিত্তি।

এই উপলক্ষে আমি **কয়লা মন্ত্রণালয়, কোল ইন্ডিয়া লিমিটেড, পশ্চিমবঙ্গ ও ঝাড়খণ্ড সরকার, প্রশাসনিক ও পুলিশ কর্তৃপক্ষ, CISF, শ্রমিক সংগঠন, শতাক্ষী মহিলা মণ্ডল, ভোক্তা, সরবরাহকারী ও সমস্ত অংশীদারদের প্রতি আন্তরিক কৃতজ্ঞতা** প্রকাশ করছি। আপনাদের সহযোগিতা ও বিশ্বাসই ইসিএল-এর সাফল্যের চালিকাশক্তি।

জয় হিন্দ

কর্তব্যনিষ্ঠ,

০১.১১.২০২৫

(সতীশ ঝা)
অধ্যক্ষ-তথা- পরিচালক অধিকর্তা
ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেডের জনসংযোগ বিভাগ দ্বারা প্রকাশিত